पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

वलोता

गाँव - वलोता

पंचायत - वलोता

तहसील- दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

वलोता गाँव का परिचय

वलोता गाँव ग्राम पंचायत वलोता का राजस्व गाँव है, इसकी तहसील डूंगरपुर है । वलोता डूंगरपुर से 27 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में बसा हुआ है । वलोता पंचायत में दो गाँव है - वलोता और डोलवर उपली । वलोता गाँव की सीमा के सबसे नजदीकी गाँव डोलवर उपली, डोलवर निचली, कहारी अ, कहारी ब, तलैया व भाटडा है । वलोता गाँव में ही पंचायत भवन है । वलोता एक राजस्व गाँव है, जिसमे 4 फलें है-

1. वलोता खास
2. कुण्डी फला
3. कदवाला फला
4. लिमडी फला

वलोता गाँव का शिलालेख 19 साल पुराना है जो आज भी गाँव के लिमडी फला में है । गाँव के लोगो में पेसा कानून और उसकी शक्तियों की अच्छी जानकारी है, गाँव के जनप्रतिनिधियों का भी इसको प्रसारित करने और जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान है । वलोता गाँव में करीब 700 घर है जिनकी आबादी लगभग 3600 है । गाँव में सिर्फ एस. टी. जाति के रोत, परमार, मनात उप-जाति के लोग निवास करते है । गाँव की पूरी जमीन 1347.95 हेक्ट है जिसमे कृषि, जंगल, चारागाह और बिलानाम भूमि है । जंगल की जमीन गाँव की उत्तर और पश्चिम दिशा में है । गाँव के जंगल पर वन विभाग और गाँव का संयुक्त कब्ज़ा है । गाँव में बिलानाम जमीन 279 बीघा, चरागाह जमीन 73.1 बीघा है । जिस पर वन विभाग, सरकार का कब्ज़ा है । गाँव के उत्तर दिशा के जंगल से 3 नदिया और 1 नदी पश्चिम दिशा के जंगल से होकर निकलती है । जो गाँव के पांच तालाबों में नालों के जरिये गिरती है । वलोता के जंगल में सागवान, महुआ, आम, पलाश के पेड़ और गोंद के पेड़ है इसके अलावा कटीले बबूल के पेड़ और जहरीली कटीली झाड़ियाँ है । वन उपज को गाँव के लोग अपने काम में लेते है, जिसके लिए एक निश्चित शुल्क देने और परमिशन की जरुरत होती है ।

आवागमन की स्थिति

वलोता गाँव जाने के लिए डूंगरपुर से बांसवाडा रोड पर आसेला मोड़ 5 किमी दूर है जहाँ से लगभग गाँव 20 किमी दूर है । आसेला मोड़ से गाँव जाने के लिए कोई साधन नहीं मिलता इसलिए इस रास्ते से केवल अपने निजी साधन से ही जाया जा सकता है । दूसरा रास्ता डूंगरपुर बांसवाडा रोड पर स्थित डोजा मोड़ से गाँव तक जाया जा सकता है । वहाँ से ऑटो, जीप साधन मिल जाता है और डूंगरपुर से डोजा मोड़ तक बस, ऑटो और जीप द्वारा जाया जा सकता है । गाँव में 7 पक्की सड़क है जो गाँव के फलों में जाती है । इसके अलावा 2 सी.सी. सड़के और 5 कच्ची सड़के है । गाँव के कुछ स्थानों से ऑटो, जीप दूसरे गाँवों में जाने के लिए मिल जाते है, जिसके लिए काफी इंतजार करना पड़ जाता है । गाँव के फले छोटी-छोटी डूंगरीयों और पहाडियों पर बसे है, लेकिन सड़क व्यवस्था अच्छी होने के कारण आसानी से संपर्क हो जाता है । घरेलू खरीदारी करने के लिए पुनाली 11 किमी दूर और मुख्य बाजार डूंगरपुर 27 किमी दूर जाना पड़ता है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है।

शिक्षा की स्थिति

गाँव में कुल 7 विद्यालय है -

5 प्राथमिक विद्यालय

1 उच्च प्राथमिक विद्यालय

1 उच्च माध्यमिक विद्यालय

वलोता गाँव के पांचो प्राथमिक विद्यालयों में कुल 243 छात्र-छात्राये है और केवल 5 अध्यापक है । उच्च प्राथमिक विद्यालय में 207 छात्र-छात्राये है और केवल 4 अध्यापक है । उच्च माध्यमिक विद्यालय में कुल 340 छात्र-छात्राये है और केवल 9 अध्यापक है । सभी विद्यालयों में अध्यापकों की कमी है, रिकॉर्ड के अनुसार प्रति प्राथमिक विद्यालय 2 अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय में 10 अध्यापक और उच्च माध्यमिक विद्यालय 18 अध्यापक नियुक्ति की स्वीकृति है । पांचो प्राथमिक विद्यालयों में कमरे भी कम है और छत की मरम्मत की आवश्यकता है, पीने के पानी के लिए लगे हैंडपंप भी ख़राब है जिस कारण बच्चों को घर से पानी लाना पड़ता है और शौचालयों की हालत जर्जर है । उच्च प्राथमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय न केवल अध्यापकों और कक्षा-कक्षों की कमी है बल्कि विद्यालयों में छत से बरसात का पानी गिरने की समस्या, जर्जर शौचालयों व उनमे पानी की व्यवस्था नहीं है । अध्यापको की कमी के कारण शिक्षा का स्तर निम्न है और बच्चों का नामांकन नहीं होता है । अक्सर छात्र बीच में ही पढाई छोड़ देते है । दोनों विद्यालयों में पीने के शुद्ध पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है । स्कूल के बाहर लगे हैंडपंप के पानी में फ्लोराइड आता है लेकिन अन्य कोई विकल्प ना होने पर बच्चे यही पानी पीते है । उच्च शिक्षा के लिये गाँव से 27 किमी दूर डूंगरपुर शहर में जाना पड़ता है ।

स्वास्थ्य की स्थिति

गाँव में 3 आंगनवाड़ियां है - एक वलोता खास में, दूसरी कुण्डी फला में, तीसरी लिमडीफला में । हर महीने के दूसरे गुरुवार को आंगनवाड़ियों में स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया जाता है । सभी आंगनवाड़ियों में 2 का स्टाफ है, और बच्चों के खेलने-पढ़ने और खाने की सही व्यवस्था है लेकिन शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था अच्छी नही है । 2 आंगनवाड़ियों में पीने के पानी के लिए हैंडपंप में पानी नहीं आता है । पीने के लिए पानी पास के घरों में से भर कर लाया जाता है । गाँव में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र है जिसमे 2 स्टाफ है, लेकिन हालत ख़राब होने के कारण बारिश में अक्सर बंद ही रहता है । सरकारी हॉस्पीटल 11 किमी दूर पुनाली में और बड़ा अस्पताल 27 किमी दूर डूंगरपुर में है, हॉस्पीटल जाने के लिए टेम्पो या 108 की सुविधा है। लेकिन बहुत गंभीर मामलो में 108 मिल पाती है । बीमारी की गंभीरता को देखते हुए कुछ मरीज डूंगरपुर हॉस्पीटल से उदयपुर के सरकारी अस्पताल में या गुजरात भी भेजे जाते है ।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के मनरेगा के अंतर्गत 939 परिवार पंजीकृत है, इंद्रा आवास और मुख्यमंत्री आवास के कुल 600 लाभार्थी है । लगभग सभी घरों में बिजली की सुविधा है। गाँव में 1250 जॉब कार्ड, 720 राशनकार्ड है । गाँव में बामुश्किल खाने का बंदोबस्त कर पाने वाले ऐसे 45 अन्त्योदय राशनकार्डधारी परिवार है । गाँव में सभी योग्यजन को पेंशन मिलती है । गाँव के करीब 450 घरों को उज्जवला गैस योजना के अंतर्गत

गैस कनेक्शन मिल चुका है। गाँव में सभी को भामाशाह योजना से जोड़ा जा चुका है । भामाशाह कार्ड से लोगों को कम खर्च में मेडिकल सहायता और फ्री दवाईयाँ मिल जाती है ।

कृषि की स्थिति

गाँव में कृषि की जमीन उबड़-खाबड़, और पहाड़ी है, समतल खेती की भूमि बहुत कम है, कृषि योग्य जमीन 131 हेक्ट है । जिसपर प्रमुखतया गेंहू, मक्का, मूंग, उडद और चना की खेती की जाती है। लेकिन खेती में उगाया गया अनाज केवल चार-पांच माह ही चल पाता है, इसके बाद बाजार से खरीदकर खाना पड़ता है । गाँव में राशन की दुकान है, राशन की दुकान पर गेहूँ के अलावा कभी कभी केरोसिन दिया जाता है । त्यौहारों में शक्कर भी दी जाती है । जबसे गाँव में उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिले है तब से गाँव में राशनकार्ड पर मिट्टी का तेल देना बन्द कर दिया गया है ।

रोजगार की स्थिति

अन्य गाँवों की ही तरह यहाँ की भी रोजगार की स्थिति खराब है । यहाँ भी रोजगार का मुख्य साधन मनरेगा है । मनरेगा में काम के साथ लोग खेती और कडिया मजदूरी करते है । नरेगा में गाँव की ज्यादातर महिलाये जाती है क्योंकि गाँव के पुरुष काम की तलाश में शहर जाते है । काम की तलाश में लोग सुबह जल्दी शहर की मजदूर मंडी में पहुँच जाते है जहाँ से उन्हें कडिया काम मिल जाता है लेकिन रोज काम मिल जायेगा इसकी कोई गारंटी नहीं होती है । अक्सर उन्हें कोई काम नहीं मिलता है और खाली जेब वापिस घर लौटना पड़ता है । अधिकतर शिक्षित लोग बेरोजगारी से बचने और बेहतर आजीविका के लिए काम की तलाश में दूसरे शहरों में जाते है, जहाँ उन्हें कडिया काम, मकान बनाने के लिए मिस्त्री-कारीगर, फैक्ट्री में मशीन चलाने का काम मिल जाता है । मनरेगा योजना में 100 दिवस काम मिल जाता है लेकिन मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं होता है । इसका जवाब मांगने पर बैंक के खातो का स्थानान्तरण हो जाने के बारे में कह कर टाल दिया जाता है ।

सिंचाई की स्थिति

वैसे तो गाँव में पर्याप्त जल-संसाधन है गाँव में एक बड़ा बांध है जिसे वलोता बांध कहा जाता है उस बांध में साल भर पानी रहता है और ठेकेदार के द्वारा मछलीपालन किया जाता है । गाँव के लोग भी मछलियों को पकड़कर खाने में काम में लेते है । 4 नदियाँ, 7 एनिकट, 5 तालाब, 42 कुएं, 1 नहर और निजी बोरवेल है लेकिन फिर भी गाँव में पीने के पानी और सिंचाई के पानी का संकट है क्योंकि गाँव का भूमिगत जल 250 फीट तक नीचे चला गया है । कुएं 150 फीट गहरे है, पानी का स्तर 250 फीट नीचे जाने के कारण केवल बारिश में सभी कुओं में पानी रहता है । जो कुएं तालाब और नदियों के पास है उनमे सालभर पानी रहता है लेकिन जून के महीने तक बहुत कम हो जाता है । 3 नदियाँ पहाड़ो के जंगल से निकलती है उनपर चेकडैम और 7 एनिकट बनाये गये है, 4 एनिकटो की पाल में दरारे हो गयी है और कीचड़-मिटटी भर जाने से पानी का भराव कम होता है और पानी जमीन में नीचे जाने के बजाय बह कर निकल जाता है, बाकी 3 एनिकट से सिंचाई और पशुओ के लिए पानी की व्यवस्था सालभर की हो जाती है लोगो ने खेतों में ही बोरवेल लगा रखे है जो तालाब और नदी पास ही है, काफी ज्यादा पानी खीच लेने से कुओं में पानी कम हो जाता है जिससे उन लोगों को पानी के समस्या हो जाती है, जिनके पास बोरवेल की सुविधा नहीं है ।

वलोता गाँव की विभिन्न चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

वलोता गाँव में अभी भी जंगल की जमीन काफी है हालांकि पहले की अपेक्षा अब जंगल की जमीन कम हो गयी है । गाँव में जंगल की जमीन उत्तर और पश्चिम दिशा में है । आज से करीब 30 साल पहले सभी पहाड़ियाँ हरी-भरी थी और बांस, नीम, आवला, गोंद, तेंदुपत्ता, सागवान, आम, महुआ के पेड़ थे जिन्हें बेच कर लोगो की आय भी हो जाती थी लेकिन अब वन-उपज के उपयोग के लिए और घास काटने के लिए वन विभाग से आज्ञा लेना आवश्यकता हो गया है । बिना परमिशन वन में घुसने वालों को जुर्माना किया जाता है । जंगल में बबूल के कटीले पेड़ और झाडियाँ है जिन्हें लोग ना तो जलाने के काम में लेते है ना ही जानवर खाते है । जंगल पर सामुदायिक दावा गाँव के लोगो ने लगा रखा है । गाँव के पहाड़, चारागाह पर वन विभाग का कब्ज़ा है । गाँव की बिलानाम जमीन पर लोगों ने कब्ज़ा कर रखा है, छोटी पहाडियों पर लोगो ने अपने खेत-घर बना लिए है । पहाड़ो में खनन नहीं किया जाता है क्योंकि उनमे किसी भी प्रकार के खनिज के उपलब्धता की जानकारी नहीं है ।

आवागमन की समस्या

वलोता गाँव में सड़को की समस्या मुख्य नहीं है लेकिन यातायात के साधनों की कमी एक बड़ी समस्या है । गाँव में 7 पक्की सड़को में से 3 टूट गयी है उनमे खड्डे पड़ गये है जगह-जगह से डामर उखड गया है । दोनों सीसी सड़के अच्छी हालत में है और ज्यादातर घरों तक सड़क सुविधा है लेकिन जंगल के पास रहने वाले घरों के लिए सड़को की स्थिति अच्छी नहीं है । उन्हें पहाडियों से नीचे डेढ़ से दो किमी पैदल चल कर गाँव में आना पड़ता है । उनके लिए 5 कच्ची सड़के है लेकिन वे इतनी ख़राब हो चुकी है उनका होना बेमानी हो गया है । गाँव के मुख्य सड़क से नीचे भरतपुर से ऑटो, जीप तथा निजी वाहन दूसरे गाँवों में जाने के लिए मिल जाते है । वाहनों की समस्या का सबसे ज्यादा खामियाजा बीमार मरीज लोगो और गर्भवती महिलाओं को उठाना पड़ता है, समय पर चिकित्सकीय सुविधा ना मिलने से जन-हानि का अंदेशा बना रहता है । कई बार तो ऊँची पहाडियों से बीमार मरीज लोगो और गर्भवती महिलाओं को खाट में लिटाकर या झोली में डालकर नीचे गाँव में लाया जाता है जहाँ से 104,108 और निजी वाहन की मदद से हॉस्पिटल ले जाया जाता है । गाँव के लोग निजी सवारी वाहन चालकों के मनमाने ढंग से किराया वसूलने से भी बहुत परेशान हो रहे है ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में लोग कई पीढ़ीयों से रह रहे है उनके पूर्वजों ने जंगल में ही अपने घर और खेत बनाये थे और जमीन को खेती के लायक बनाया और पानी के लिए कुओं का निर्माण किया था । लोगो ने अपने जमीन के अधिकार के लिए फाइले भी लगा रखी है लेकिन ना तो भौतिक सत्यापन किया गया है ना ही फाइले अभी कहाँ पहुची है इसकी जानकारी मिल पायी है । गाँव में जिन लोगों को उनकी कब्जे की जमीन के खातेदारी हक और पट्टे मिले है, उनके पास भी कब्जे की जमीन में से बहुत कम जमीन का पट्टा मिला है, खातेदारी में न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है । सिंचाई के सभी जल-स्त्रोत नदी, एनिकट, तालाब, कुएं और बोरवेल में मध्य ग्रीष्म ऋतु तक पानी कम हो जाता है । क्योंकि गाँव का भूमिगत जल 250 फीट तक नीचे चला गया है । कुएं 150 फीट गहरे है, पानी का स्तर 250 फीट नीचे जाने के कारण केवल बारिश में सभी कुओं में पानी रहता है । जो कुएं तालाब और नदियों के पास

है उनमे सालभर पानी रहता है लेकिन जून के महीने तक बहुत कम हो जाता है । 3 नदियाँ पहाड़ो के जंगल से निकलती है उनपर चेकडैम और 7 एनिकट बनाये गये है, 4 एनिकटो की पाल में दरारे हो गयी है और कीचड़-मिटटी भर जाने से पानी का भराव कम होता है और पानी जमीन में नीचे जाने के बजाय बह कर निकल जाता है, लोगो ने खेतों में ही बोरवेल लगा रखे है जो तालाब और नदी पास ही है, काफी ज्यादा पानी खीच लेने से कुओं में पानी कम हो जाता है जिससे उन लोगों को पानी के समस्या हो जाती है, जिनके पास बोरवेल की सुविधा नहीं है । 50 हैंडपंप में से 22 हैंडपंप पाइप में जंग लगने, छेद होने और स्प्रिंग टूट जाने के कारण ख़राब हो गये है । बाकी बचे 28 हैंडपंप में गर्मी में पानी कम आता है, कुछ गर्मी के मौसम में सूख जाते है। हेण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है । गर्मी में ना तो पर्याप्त पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी पूरा मिल पाता है। पानी की कमी और गिरते जल स्तर की जानकारी होने के बावजूद वर्षा जल- संरक्षण करने के विषय की ओर गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में पढने वाले बच्चों के लिए 5 प्राथमिक विद्यालय, 1 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 1 उच्च माध्यमिक विद्यालय है । सभी विद्यालयों में छत, फर्श और शौचालयों कों मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । कमरों व अध्यापको की कमी और पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं होने से बच्चों का नामांकन भी कम होता है और शिक्षा का स्तर निम्न है । स्कूल के बाहर लगे हैंडपंप के पानी में फ्लोराइड आता है लेकिन अन्य कोई विकल्प ना होने पर बच्चे यही पानी पीते है । उच्च शिक्षा के लिये गाँव से 27 किमी दूर डूंगरपुर शहर जाना पड़ता है । गाँव में 3 आंगनवाड़िया है - 1. कालकीमाता आंगनवाड़ी, 2. वलोता खास, 3. लिमडी फला आंगनवाड़ी । हर आंगनवाड़ी में दो कार्यकर्ता स्टाफ नियुक्त है । दूर होने की वजह से कुछ परिवारों के बच्चे वहाँ नही जा पाते है । गाँव में 1 उपस्वास्थ्य केन्द्र है और बडा हॉस्पीटल गाँव से पुनाली में 11 किमी दूर और बड़ा अस्पताल 27 किमी दूर डूंगरपुर शहर में है, जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है ।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

पूरे गाँव की कृषि भूमि उबड़-खाबड़ है जिसे समतल करने की बहुत आवश्यकता है । गाँव में पहली बारिश के साथ ही लोग खेतों में जुताई शुरू कर देते है । बारिश के मौसम में ही खाने के लिए फसल उगा ली जाती है क्योंकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। जो खेत तालाब और नदी के पास है या जिनके पास कुओं की व्यवस्था है वे गेहूँ, मक्का, धान, और दाले उगाते है । खेती में ज्यादा रासायनिक खाद का प्रयोग करने से खेती की उपज कम हो गयी है । लोगो ने तालाब और नदी के किनारे खेतों में ही बोरवेल और पंपसेट लगा रखे है जिनसे ज्यादा पानी खीच लेने से कुओं में पानी कम हो जाता है जिससे उन लोगों को पानी के समस्या हो जाती है, जिनके पास बोरवेल की सुविधा नहीं है । गाँव में भू-जल स्तर 250 फुट नीचे चला गया है। सिचाई के पर्याप्त साधन उपलब्ध होने के बावजूद गाँव में पीने और सिचाई के पानी की कमी है क्योंकि भू-जल को अनियंत्रित तरीके से निकाला जा रहा है, पानी के अनियंत्रित दोहन और पानी के संरक्षण के प्रति यही उदासीनता का माहौल रहा तो कुछ सालों बाद गाँव में भूजल-स्तर अधिक गहराई तक चला जाएगा। जिससे गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा

संकट उत्पन्न हो सकता है । खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। राशन की दुकान पर केवल गेहूं मिलता है । राशन की दुकान पर मिटटी का तेल देना बंद कर दिया गया है क्योंकि गाँव में उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिल गये है ।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन मनरेगा और खेती है, अन्यथा मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । अन्य गाँवों की ही तरह यहाँ की भी रोजगार की स्थिति खराब है । मनरेगा में गाँव की ज्यादातर महिलाये जाती है क्योंकि गाँव के पुरुष काम की तलाश में शहर जाते है । काम की तलाश में लोग सुबह जल्दी शहर की मजदूर मंडी में पहुँच जाते है जहाँ से उन्हें कडिया काम मिल जाता है लेकिन रोज काम मिल जायेगा इसकी कोई गारंटी नहीं होती है । गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत और मोडासा में मजदूरी करने के लिये जाते है। कुछ लोग पास के उदयपुर जिले में जाकर भी फैक्ट्री में काम करते है और उन्हें कडिया काम, मकान बनाने के लिए मिस्त्री-कारीगर, फैक्ट्री में मशीन चलाने का काम मिल जाता है । अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी ज्ञान के अभाव में लोग के पास आजीविका का कोई अच्छा विकल्प नहीं है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नदी बांध एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प	गाँव में 4 नदियाँ और 5 तालाब और 42 कुएं है । नदियों के रास्ते में 7 एनीकट बने हुए है 4 एनिकट की स्थिति ख़राब है, जर्जर हो गये है और मिटटी का भराव हो जाने से पानी कम ठहर पाता है । 3 एनिकट और एक बड़े तालाब में पानी पुरे साल रहता है जो गर्मी में पशुओ के पीने के लिए काम में आता है । गाँव में एक बड़ा बांध है जिसमे ठेकेदार के द्वारा मछलीपालन किया जाता है । गाँव के लोग भी मछली भोजन के तौर पर खाते है । इसका पानी आवश्यकतानुसार सिंचाई के लिए भी दिया जाता है । गाँव में 42 कुओं में से 20 कुएं बंद है और और 50 हैंडपंप में से 22 हैंडपंप गहरे नही होने और पाइप में छेद होने की वजह से सूखे है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त	यदि नदी और नाले के रास्तों में बने एनिकटो की आवश्यकतानुसार मरम्मत की जाये और रिन्ग्वाल मजबूत की जाये तो पानी रिस कर नहीं निकलेगा । एनिकट और तालाबों की सफाई करके गहरीकरण करना चाहिए, तो ज्यादा समय तक पानी रह सकता है । जमीनी जल का स्तर भी ऊपर उठेगा । खेतों में सिंचाई के लिए पानी की सुविधा हो सकती है । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। बंद हैंडपंप को चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । बोरवेल के बजाय कुओ से पानी निकलने पर जोर देना ताकि एकदम से पानी का स्तर नीचे न जाये ।

	है। तालाब, एनिकट के पैंदे से बोरवेल के जरिये इतना ज्यादा पानी निकाल लिया जाता है कि पानी की कमी हो जाती है ।	
जमीन कृषि भूमि बिलानाम भूमि चरागाह जंगल	पूरा गाँव छोटे बड़े पहाड़ो पर बसा हुआ है लोगो ने पहाड़ियों पर ही अपने खेत और घर बना रखे है । कृषि भूमि 131 हेक्ट है जो अधिकतर उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन और छोटी पहाड़ियों वाली जमीन है । गाँव की जंगल, चारागाह की जमीन पर वन विभाग का कब्ज़ा है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे निश्चित राशि की शुल्क के तौर पर जमा करवा कर लोग काट कर लाते हैं। बिलानाम भूमि पर लोगो ने कब्ज़ा कर रखा है ।	गाँव के उबड़-खाबड़ खेतों को अपना खेत अपना काम योजना के तहत समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। गहरे और मरम्मत होने के बाद तालाब, एनिकट से नहर निकल कर सिंचाई के पानी की कमी पूरी हो सकती है । गाँव की खाली पहाडियों पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं। वन भूमि को सामुदायिक करके गाँव सभा के अधीन करना और उसे पुनर्जीवित करके लघुवनोपज ले सकते है । सागवान के पेड़ो कों फर्नीचर उद्योग कों बेच कर गाँव के लोगो की आय बढ़ायी जा सकती है ।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़के पक्की सड़क	गाँव की पक्की सड़के और सी.सी. सड़के टूट गयी है उनमे खड्डे हो गये है, देखभाल और रिपेयरिंग के अभाव में लगातार टूटती ही जा रही है । सबसे बड़ी समस्या आने जाने के लिए वाहन सुविधा का समय पर नहीं मिलना है ।	कच्ची सडको को सी सी सडकों में बदलना और पगडण्डी को चौड़ा करना । आसान पहुँच वाले जगहों के लिए पक्की सड़कों की संख्या बढाना । टूटे रास्तों को ठीक करके यातायात साधनों की सुविधा मिल जाएगी ।
स्कूल रा. प्रा. स्कूल रा. उ. प्रा. स्कूल रा. उ. मा. स्कूल	गाँव में 7 विद्यालय है। सभी स्कूलों की छत से प्लास्टर भी गिर रहा है और बारिश का पानी टपकता है, खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । स्कूलों में अध्यापको की कमी है, जिस कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है और स्कूलों में बच्चो का नामांकन भी कम होता है । आर ओ के अभाव में बच्चे फ्लोराइड वाला पानी पीने के लिए को बाध्य है ।	स्कूलों में छत और फर्श की मरम्मत करवाकर अच्छा बनाया जा सकता है। इसके अलावा स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत और पीने के पानी के लिए आर.ओ. की व्यवस्था की जाये । अध्यापकों की नियुक्ति के लिए गाँवसभा में प्रस्ताव लिया गया है । जितने शिक्षकों के लिए सवीकृति है उतने अध्यापक शीघ्रता से कार्यवाही कर लगाये जाये । सभी सुविधाए पूरी मिलने पर ड्राप आउट दर कम होगी और नामांकन दर बढेगी ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में पेयजल की सुविधा के लिए 42 कुएं, 50 हैंडपंप और निजी बोरवेल है लेकिन आधे से ज्यादा कम गहरे होने और पाइप में छेद, स्प्रिंग टूटने इत्यादि कारणों की वजह से बंद हो गये हैऔर फिर से चालू नहीं किये गये है । गर्मियों में दूर नीचे के स्थानों से पानी लाना पड़ता है । गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । गाँव का जलस्तर 250 फिट से नीचे चला गया है। पेयजल के चालू स्रोत है उनके पानी में फ्लोराइड है और बचाव के उपायों की जानकारी के अभाव में लोगो को दातो और हड्डियों से सम्बंधित बीमारियाँ हो रही है ।	गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । जो हैंडपंप ख़राब/बंद हो गये है उनकी मरम्मत करवाना । हैंडपंप और कुओं को गहरा करवाना । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है।	**दीर्घकालिक**
2	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 7 विद्यालय है। सभी स्कूलों की छत से प्लास्टर भी गिर रहा है और बारिश का पानी टपकता है, खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । स्कूलों में अध्यापको की कमी है,	नियुक्त अध्यापको को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये । स्कूलों में छत व फर्श की मरम्मत करवाकर अच्छा बनाया जा सकता है। पीने के पानी के लिए आर.ओ. की व्यवस्था की	तात्कालिक

			जिस कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है और स्कूलों में बच्चो का नामांकन भी कम होता है । पीने के लिए बच्चे फ्लोराइड का पानी पीने को बाध्य है ।	जाये । खेल का मैदान और छात्र छात्राओं के लिए अलग अलग शौचालय बने और उनमे पानी की सुविधा होनी चाहिये । नये कक्षा कक्ष बनने चाहिये । अध्यापकों की नियुक्ति के लिए गाँवसभा में प्रस्ताव लिया गया है । जितने शिक्षकों के लिए सवीकृति है उतने अध्यापक शीघ्रता से कार्यवाही कर लगाये जाये । सभी सुविधाए पूरी मिलने पर ड्राप आउट दर कम होगी और नामांकन दर बढेगी ।	
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत /** सार्वजनिक	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ पथरीली और पहाडियों की ढलान वाली है। रासायनिक खाद के अधिक छिडकाव से जमीन की उर्वराशक्ति में गिरावट, मिटटी का कठोर होकर धीरे धीरे बंजर होना, सिंचाई के लिए नदी, तालाब, एनिकट, कुओं का पानी मध्य ग्रीष्म ऋतु में बहुत ही कम हो जाना । बोरवेल से पानी खींच लेने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	गाँव सभा में प्रस्ताव लेकर कैटेगरी-4 के कार्यो के अपने खेत में मेडबंदी, समतलीकरण, खेत तलावडी, और पहाड़ी ढलान के खेत में पक्के-कच्चे चेकडैम का निर्माण। सभी जल-संसाधनों को सुरक्षित करके उनमे पानी की ग्रहण क्षमता बढ़ाना । घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना ।	**तात्कालिक**
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	टूटी हुई पक्की और सी.सी. सड़को की मरम्मत	अभी हाल ही जो गाँव सभा में प्रस्ताव लिखे गये	**तात्कालिक**

			नहीं हो पा रही है । गाँव के फलों में आने-जाने के लिए ज्यादातर पगडण्ड़िया ही है । रास्तो के अभाव में सबसे ज्यादा तकलीफ बुजुर्गो, महिलाओं और बच्चो को होती है । कही भी आने जाने के लिए वाहन सुविधा नहीं मिल पाती है ।	है उनमे जहां रास्ते नहीं है वहां सड़क निर्माण के प्रस्ताव लिए गए हैं, कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना । पगडण्ड़ियों को चौड़ा करना । टूटे हुए पक्के और सी.सी. रास्तों को पेचवर्क करके सही करवाना ।	
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना**	**व्यक्तिगत**	हालाकि गाँव में सरकारी योजनाओं अच्छे से लागू हो रही है लेकिन जिन लोगो को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ अभी तक नहीं मिल पाया है उनके लिए आवेदन करने वाला कोई नहीं है । जिन लोगों के आवास,शौचालय बन गये है लेकिन उनका भुगतान राशि अटकी हुई है । पेंशन योजना में समस्या यह है कि लोगो के आधार व मतदाता पहचानपत्र में उम्र अलग-अलग है और समय पर बैंक में जीवित प्रमाणपत्र नहीं देने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है।	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना । बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना ।	**तात्कालिक**
6	**काबिज भूमि पर व्यक्तिगत दावा और जंगल पर**	**सार्वजनिक**	काबिज व्यक्तिगत भूमि का सभी लोगों कों अधिकार पत्र नहीं मिला है जबकि सभी लोगो ने व्यक्तिगत दावे की फाइल	जमा करायी गयी फाइल की वर्तमान स्थिति का पता करना और उसकी पैरवी करना । बची हुई व्यक्तिगत दावों की	

	सामुदायिक वन दावा नहीं मिलना		राजस्व विभाग में लगा रखी है । गाँव में जंगल की जमीन का सामुदायिक वन दावा फाइल लगायी थी अभी अधिकार नहीं मिला नहीं है ।	फाइल तैयार करवाकर जमा करवाना ।	

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क पक्की सड़कें	सी.सी. सड़को की संख्या नहीं बढाना, टूटे हुए पक्के और सी.सी. रास्तों के खस्ता हाल को ठीक नहीं करना । कच्चे रास्ते को सी.सी. सड़क में नहीं बदलना ।	रास्तों की सुविधा होने से स्वास्थ्य सुविधा, रोजगार के अवसर और शिक्षा के स्तर में सुधार आ सकता है और गाँव की परिस्थितियों को बदला जा सकता है । लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी।	गाँव सभा कमेटी का मजबूती से काम नहीं करना, गाँव सभा का समस्या को लेकर पंचायत पर दबाव नहीं बनाना ।
जल नदी बांध नाला तालाब एनिकट कुआं बोरवेल हैंड पंप	गाँव में 4 नदियाँ, 5 तालाब, वलोता बांध और 7 एनिकट बने है लेकिन गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । कुओं की सफाई, एनिकट की मरम्मत नहीं होना, भू-जल रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। गाँव के लोगों को जल-संरक्षण योजनओं को अच्छे से जानकारी देकर काम में नहीं लेना ।	पहाड़ो के तेज़ ढलानों वाले दर्रों पर चेकडेम निर्माण, जल संरक्षण के लिए घरो के बाहर पक्की टंकी का निर्माण करवाना, जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और तालाब और एनिकट को गहरा करना और उसकी ऊँचाई बढ़ाना । बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये ।	पंचायत द्वारा पानी की समस्या से निपटने की कोई योजना नहीं होना। मौसम पर अधिक निर्भर रहना । गाँव के लोगों की जल-संरक्षण के प्रति उदासीनता।
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। कृषि भूमि और	गाँव में खाली पड़ी पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, बागवानी	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन

	उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव। तकनीकी शिक्षा का अभाव । मनरेगा में पूरा भुगतान नहीं होना ना ही काम की नपती की जाती है ।	और सब्जी के खेती, घरेलू उद्योग से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। पंचायत के द्वारा लघु उद्योग और अन्य कोई मशीन रिपेयरिंग प्रशिक्षण दिए जाने चाहिए ।	का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना । जमीन के पट्टे ना होना । गाँव की खाली पड़ी जमीन का प्रयोग नहीं होना। सिंचाई की सुविधा नहीं मिलना ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति वर्मी कम्पोस्ट और जैविक खाद से बढ़ाना । गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

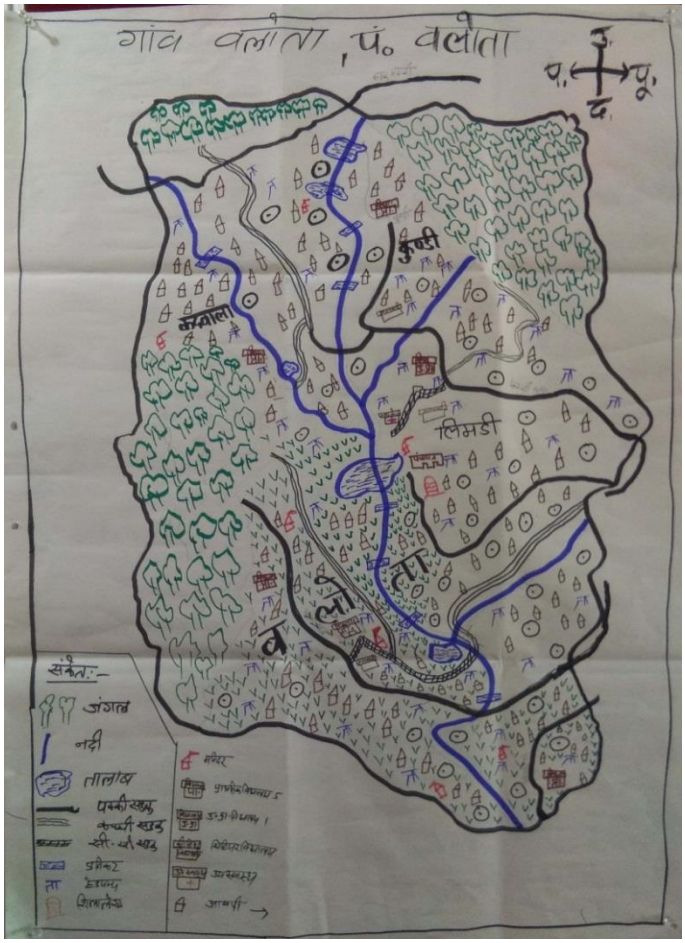

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पक्के चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में	66
सी.सी. सड़क निर्माण के सम्बन्ध में	12
पशुवाडा निर्माण के सम्बन्ध में	185
खेत समतलीकरण के सम्बन्ध में	20
नए हैंडपंप खुदवाने के सम्बन्ध में	20
खेत तलावडी के सम्बन्ध में	10
नया कुआं और कुआ गहरीकरण के सम्बन्ध में	11
एनिकट मरम्मत करवाने के सम्बन्ध में	1
पी.एम/सी.एम. आवास निर्माण के सम्बन्ध में	21

- **गाँव विकास प्रस्ताव**

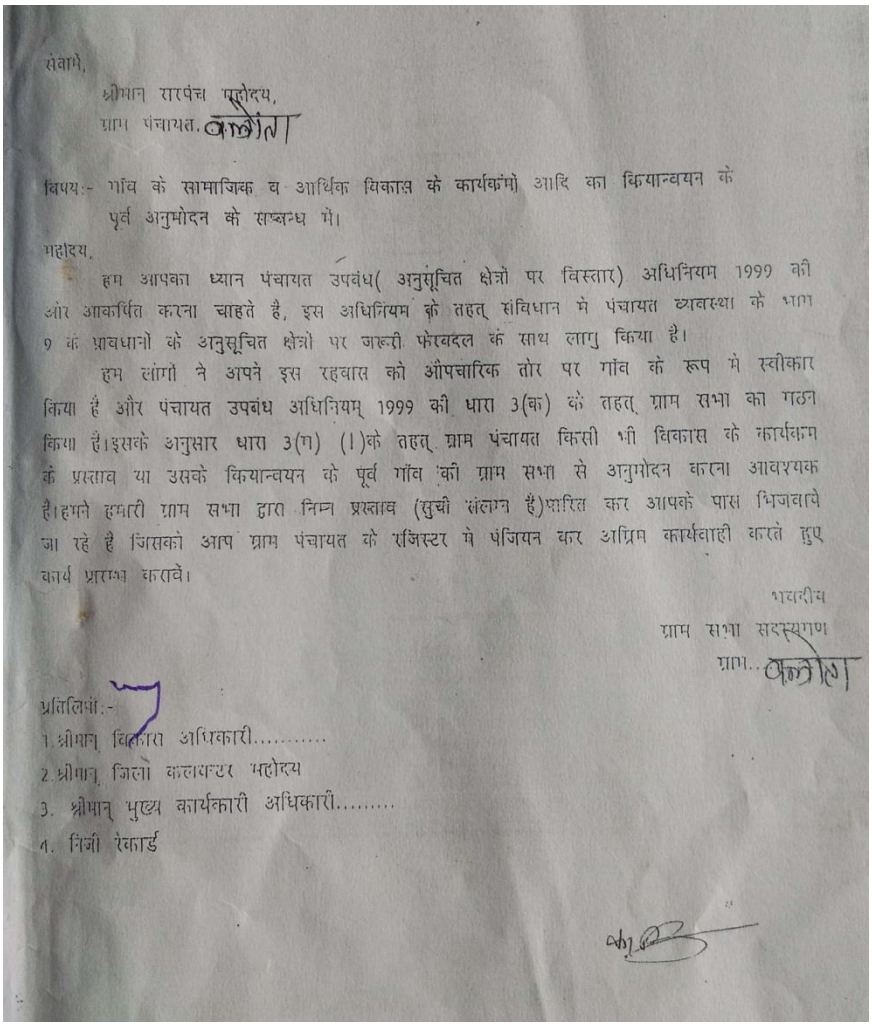

सेवामे,
श्रीमान सरपंच महोदय,
ग्राम पंचायत. कलोंता

विषय:- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध मे।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगो ने अपने इस रहवास को औपचारिक तोर पर गाँव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न हैं)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रराम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम.. कलोंता

प्रतिलिपि:-
1.श्रीमान् विकास अधिकारी..........
2.श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय
3. श्रीमान् मुख्य कार्यकारी अधिकारी.........
4. निजी रेकार्ड

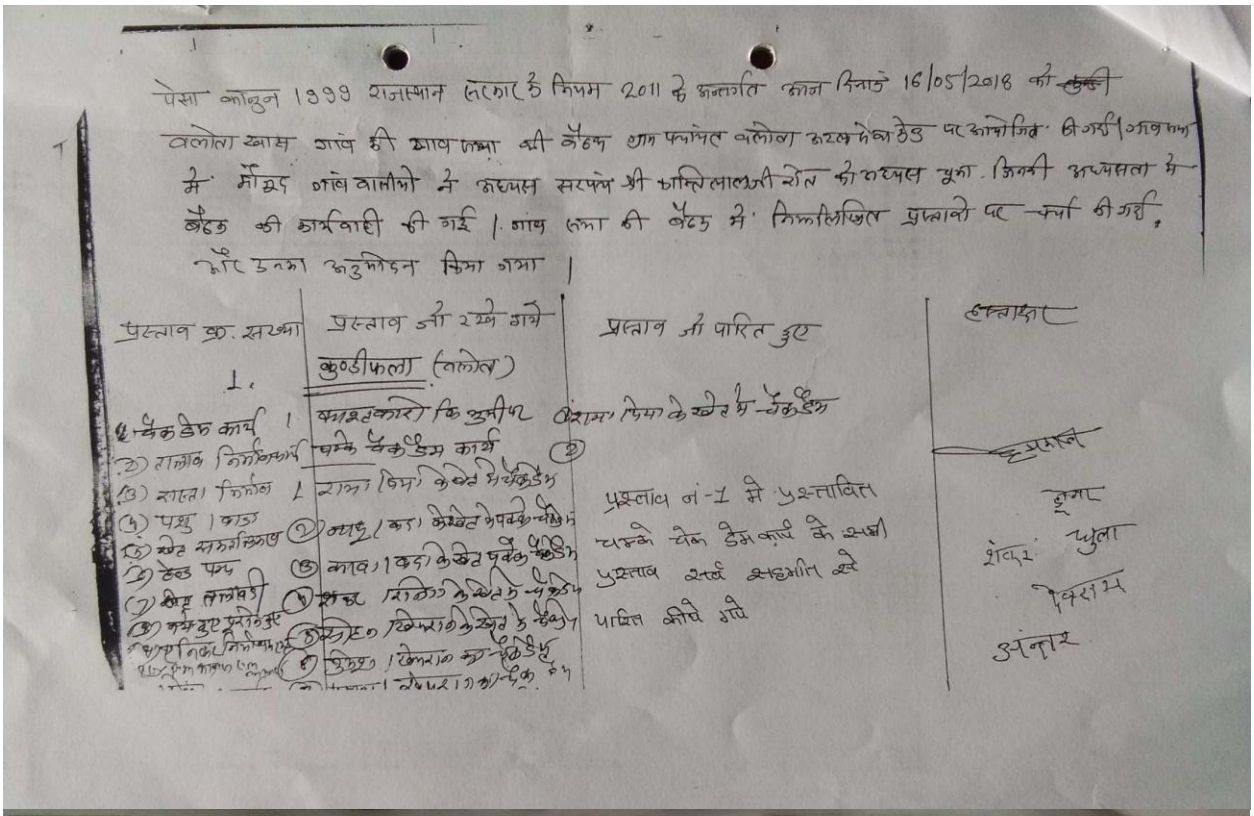

पेसा कानून 1999 राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 16/05/2018 को वलोता खास गांव की ग्राम सभा की बैठक [illegible] वलोता [illegible] पर आयोजित की गई। ग्राम सभा में मौजूद गांव वालों ने अध्यक्ष सरपंच श्री कान्तिलाल जी रोत को अध्यक्ष चुना. जिनकी अध्यक्षता मे बैठक की कार्यवाही की गई। ग्राम सभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गई, और उनका अनुमोदन किया गया।

प्रस्ताव क्र. संख्या	प्रस्ताव जो रखे गये	प्रस्ताव जो पारित हुए	हस्ताक्षर
1.	कुण्डीफला (वलोता)		
(1) चैकडेम कार्य (2) तालाब निर्माण कार्य (3) रास्ता निर्माण (4) पशु [illegible] (5) खेत समतलीकरण (6) हेण्ड पम्प (7) [illegible]	[illegible] चैकडेम कार्य ...	प्रस्ताव नं-1 मे प्रस्तावित चक्के चेक डेम कार्य के सभी प्रस्ताव सर्व सहमति से पारित किये गये	[illegible]

(11) नारायण / [illegible]
(12) [illegible] / पूंजा
(13) राजेश / फूला
(14) पूंजा / हकरा
(15) मोतीलाल / खातजी
(16) रमेश / काटू
(17) हरिश / [illegible]
(18) मुकेश / [illegible]
(19) [illegible] / [illegible]
(20) मुकेश / [illegible]
(21) देवीलाल / खातजी
(22)

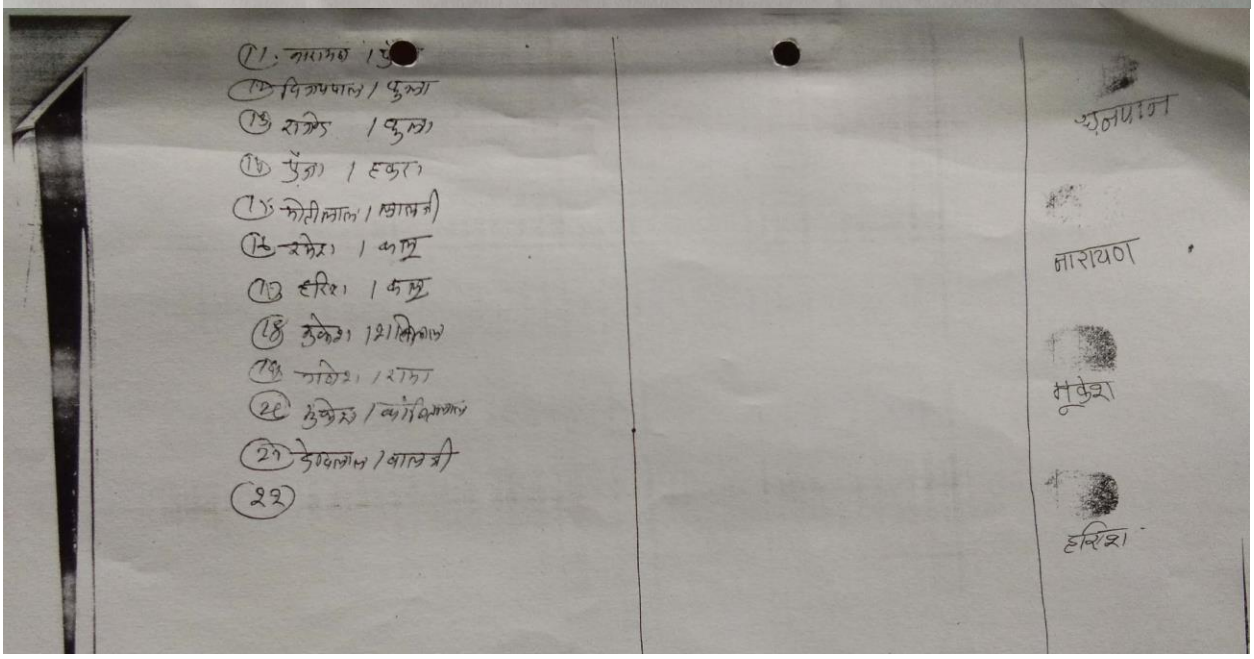

नारायण

मुकेश

हरिश

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. कांतिलाल रोत 09079994838
2. देवीलाल रोत 09950184059
3. विरजी 07568988548